

Regd. Office: Marvel Edge, Office No. 7010 C & D, 7th Floor,
Opposite Neco Garden Society, Viman Nagar, Pune 411014.
Tel: +91 20 66813232 | Email: cs@quickheal.co.in
CIN - L72200MH1995PLC091408

Ref. No.: QHTL/Sec/SE/2021-22/19

June 22, 2021

The Manager,
Corporate Services,
BSE Limited,
14th floor, P J Towers, Dalal Street,
Mumbai – 400 001
Ref: Security ID: QUICKHEAL
Security Code: 539678

The Manager,
Corporate Services,
National Stock Exchange of India Limited,
Exchange Plaza, Bandra Kurla Complex,
Bandra (E), Mumbai – 400 051
Symbol: QUICKHEAL
Series : EQ

Dear Sir,

Sub: Submission of the Post Buyback Public Announcement ("Post Buyback Public Announcement") for the Buyback of upto 6,326,530 fully paid up equity shares of ₹ 10/- each ("Equity Shares") of Quick Heal Technologies Limited ("Company") at a price of ₹ 245 per Equity Share for a maximum amount of ₹ 1,550 million ("Buyback Size") through the tender offer process pursuant to the SEBI (Buy Back of Securities) Regulations, 2018, as amended ("Buyback Regulations")

This is in regard to the captioned buyback. As required under the Buyback Regulations, we are pleased to submit herewith a copy of the Post Buyback Public Announcement dated June 21, 2021, which was published on June 22, 2021 in the following newspapers:

Publication	Language	Editions
Financial Express	English	All
Jansatta	Hindi	All
Aaj ka Anand	Hindi	All
Prabhat	Marathi	Pune

As permitted, this letter is being submitted under Sd/- mode due to work from home as per the Government advisory on Covid-19 and as a part of safety measure.

Please acknowledge receipt of this intimation.

Thanking you
For Quick Heal Technologies Limited

Sd/-

A. Srinivasa Rao
Company Secretary

Encl: as above

अलापन बंदोपाध्याय के खिलाफ केंद्र ने शुरू की अनुशासनात्मक कार्यवाही

नई दिल्ली, 21 जून (भाषा)।

केंद्र सरकार ने कथित कदाचार और दुर्व्यवहार को लेकर पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलापन बंदोपाध्याय के खिलाफ बड़ी दंडात्मक कार्रवाही शुरू की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सलाहकार की भूमिका निभा रहे बंदोपाध्याय से कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) द्वारा आरोपों का उल्लेख करते हुए भेजे गए ‘जापन’ का 30 दिनों के अंदर जवाब भेजने को कहा गया है। अधिकारियों ने कहा कि पूर्व मुख्य सचिव को बड़ी दंडात्मक

भ्रम में न रहें कि कोरोना खत्म हो गया है : येदियुरप्पा

बंगलुरु, 21 जून (भाषा)।

राज्य में पूर्णबंदी में और छूट दिए जाने के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को लोगों से कहा कि इस भ्रम में न रहें कि कोविड-19 महामारी खत्म हो गई है। मुख्यमंत्री ने उनसे सतर्क रहने तथा एहतियाती उपाय बरतने की अपील की।

येदियुरप्पा ने कहा, ‘आज से हमने कुछ जिलों को छोड़कर लगभग हर चीज में छूट दे दी है लेकिन इस भ्रम में न रहिए कि कोविड-19 खत्म हो गया है। हमें मास्क पहनना होगा, सामाजिक दूरी का पालन करना होगा और नियमित रूप से अपने हाथ धोने होंगे।’ उन्होंने यहां को-ऑपरेटिव विभाग के एक कार्यक्रम में लोगों से आग्रह किया कि कोरोना पूरी तरह समाप्त होने तक सावधानी बरतें।

कर्नाटक ने सोमवार से बंगलुरु सहित 17 जिलों में कोविड-19 पारबंदियों में ढील दी है। इससे पहले दिन में येदियुरप्पा ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि कोविड-19 के मामलों की संख्या में काफी कमी आई है, लेकिन कोरोना का खतरा बना हुआ है।

PUBLIC NOTICE
To be known to all that my client Smt. Usha Manuja W/o Mool Chand Manuja Rio Flat No E127/1, Block E , Ground Floor, DDA MIG Flat, Naraina Vihar, New Delhi 28, purchaser of Flat No E127/1 Block E, First Floor, situated in Naraina Residential Scheme, now known as Naraina Vihar, New Delhi 110028, has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold to DDA, vide application no 284635 dated 28.05.2021. Original Demand letter, possession letter, NOC for Water Electricity Connection and Site possession slip, of the above flat have been lost. FIR to this effect has been lodged in the police station Crime Branch, Delhi vide LR No 276837/2021 dt. 29.03.2021
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or in possession of original documents, may write/contact the above named person at the above address /Phone no 9810378098 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest or objection with respect to this property can personally inform or write to Deputy Director (LAB) Housing or Director (H), D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

बैंक ऑफ बड़ोदा Bank of Baroda	जेन-नेकस्ट शाखा: टावर-2, स्टेलर आई.टी. पार्क, सी-25, सेक्टर-62, नोएडा (उ.प्र.) - 201301 फोन: 0120-4324460, 61, 62
--	--

ऋणधारकों के लिये सूचना दिनांक : ०4.06.2021 (सर्कैसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के अंतर्गत)

सेवा में, श्री कमल किशोर सिंह, श्रीमती अर्चना कुमारी, ई-मेल: singh.kamal1245@gmail.com 1. युनिट नं. 306, 3रा तल, ब्लॉक डी, आग्रपाली एम्पयर विला, बुड्ढाहेरा, गाजियाबाद, उ.प्र.-201010 2. ग्राम रामदेवी, नीमा, पी एम महिदानी, राम नगर, जिला वेगुसराय, पिन-851129 3. आर 95, वकील कालोनी, प्रताप विहार, गाजियाबाद, उ.प्र.-201010 4. निवास हमारी नेकस्ट जेन नोएडा-शाखा में साख सुविधाएं

1. हम आपका ध्यान अपने पत्र सं. तिथि 26.6.2012 के प्रति आकृष्ट करते हैं जिसमें विभिन्न साख सुविधाओं की स्वीकृति तथा स्वीकृति की तारी दी गई हैं। उपरोक्त स्वीकृति के अनुपालन में आपने यहां के बाद वर्णित रूप में उत्सर्ग लिये प्रतिभूति उपलब्ध करने के बाद साख सुविधाएं प्राप्त की तथा उसका प्रयोग करन आरंभ किया। ऋण खाता में वर्तमान बकाया तथा ऐसी देयता के लिये निमित्त प्रतिभूति हित इस प्रकार है:

सुविधा की प्रकृति तथा प्रकार	लिमिट (रु.)	व्याज दर %	4.6.2021 को बकाया	प्रतिभूतियों के संक्षिप्त विवरणों के साथ प्रतिभूति अनुबंध
आवास ऋण 33720600000542	10.00	8.25	रु. 590115.00	युनिट नं. 306, 3रा तल, ब्लॉक डी, आग्रपाली 06.8.2020 तक एम्पयर विला बुड्ढाहेरा, गाजियाबाद, उ.प्र.- व्याज सहित 201010 में स्थित सम्पत्ति पर बैंक का प्रभार
कुल			रु. 590115.00	जिसमें 6.8.2020 तक व्याज शामिल है।

- जैसा कि आप जानते हैं, 31.12.2020 में समाप्त तिमाही के लिये आपने उपरोक्त ऋणों/बकायों पर व्याज के भुगतान में चुक की है। आप ने 30.09.2020 तथा उसके बाद भुगतान के लिये नियत मांग ऋणों के किस्तों के भुगतान में भी चुक की है।
- आपके द्वारा की गई चुक के उपरांत भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों तथा दिशानिर्देशों के अनुसार 6.12.2020 (एनपीए के रूप में वर्गीकरण की तिथि) को आपकी ऋण खाता को गैर-प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बार-बार की गई अनुरोध तथा मांगों के बावजूद आपने उस पर व्याज सहित अधिशेष ऋणों का भुगतान नहीं किया है।
- उपर पत्र 1 में वर्णित विभिन्न प्रतिभूतियों द्वारा विधिवत प्रभित्तु साख सुविधाओं के संदर्भ में आपकी देयता को पूरा करने में आपकी विफलता तथा आपकी खाता को एक गैर-प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकरण करने के देखते हुए हम एतद्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्विभाग तथा प्रतिभूति हित प्रचलन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के अंतर्गत आपको सूचना देते हैं तथा आपको निदेश देते हैं कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर ऊपर पत्र 1 में वर्णित कुल रु. 590115/- 7.8.2020 से लागू दर पर व्याज के रूप में की बैंक की बकाया राशि का सम्पूर्ण भुगतान करें तथा अपनी देयताओं को निष्पादित करें। हम पुनः आपको सूचित करते हैं कि यदि भुगतान की तिथि तक व्याज के साथ उपरोक्त राशि के भुगतान में आप विफल होते हैं तो हम उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत किसी या सभी अधिकारों का प्रयोग करने के लिये स्वतंत्र होंगे। कृपया, इसका ध्यान रखें।
- कृपया ध्यान रहे कि सम्पूर्ण भुगतान तक प्रत्येक साख सुविधा के लिये ऊपर पत्र 1 में निर्दिष्ट दरों पर व्याज उपचर्चित होती रहेगी।
- हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की उप-धारा 13 के प्रति आकृष्ट करना चाहते हैं जिसके अंतर्गत पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना बिक्री, पट्टा अथवा अन्य रूप से (व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के अतिरिक्त) ऊपर पत्र 1 में वर्णित प्रभित्तु परिसम्पत्तियों का किसी भी रूप में अंतरण करने से आप वर्जित हैं। हम पुनः सूचित करते हैं कि उक्त अनुबंध की धारा 13 (13) में शामिल उपरोक्त प्रावधान की अवज्ञा अधिनियम की धारा 29 के अंतर्गत एक दंडनीय अपराध है।
- हम पुनः आपका ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रति आकृष्ट करते हैं जिसके अनुसार यदि आप सार्वजनिक नीलामी/ कोर्टद्वारा/ निविदा आमंत्रित करने/ निजी संधि के लिए सूचना के प्रकाशन की तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, चार्जज तथा बैज द्वारा वहन की गई खर्चों के साथ बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं तो आप प्रभित्तु परिसम्पत्तियों को विमोचित कर सकते हैं। कृपया ध्यान रहे कि उक्त सूचना के प्रकाशन के बाद आपको प्रभित्तु परिसम्पत्ति को विमोचित करने का अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।
- कृपया ध्यान रहे कि यह मांग सूचना पूर्वावृद्ध-रहित है तथा इसे लिमिटेडशन रहित, हमारी बकाया राशि के संदर्भ में आगे मांग करने के अधिकार सहित हमें उपलब्ध किसी भी अन्य अधिकारों अथवा उपकरणों को छूट देने के रूप में नहीं माना जाएगा।

आपका विश्वासभाजन (यवक कुमार) प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

SB अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
स्टेट बैंक भवन, सारतों नल, मेट्रम कामा रोड, मुंबई - 400021
प्रस्ताव के लिए अनुरोध
भारतीय स्टेट बैंक ने एसबीआई में विदेशी कार्यालयों और अनुषंगी संस्थाओं के लिए बेस एरोशन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग (बीडीपीएस) के अंतर्गत प्रतिवेदनों को तैयार करने और उनका प्रलेखन करने में सहायता के उद्देश्य से परामर्शदाता के चयन हेतु प्रस्ताव के लिए एक अनुरोध (आरएफबी) जारी किया है. विस्तृत जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi पर 'अधिप्राप्ति सूचना' पर विजिट करें.
स्थान: मुंबई दिनांक: 22.06.2021
हस्ताक्षर /- उप महाप्रबंधक (ओ एंड आईएस) आईबीजी, कॉर्पोरेट सेंटर मुंबई

रेलगाड़ी संख्या	कहां से	कहां तक	वर्तमान फ्रिक्वेन्सी/दिन	संशोधित चलाते के दिन	सेवा प्रभावी होने की तिथि
02919	डॉ अम्बेडकर नगर	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार	प्रतिदिन	01.07.2021 से अगले आदेश तक
02920	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	डॉ अम्बेडकर नगर	बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार	प्रतिदिन	03.07.2021 से अगले आदेश तक
02957	अहमदाबाद जं.	नई दिल्ली (राजधानी स्पेशल)	रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	प्रतिदिन	28.06.2021 से अगले आदेश तक
02958	नई दिल्ली	अहमदाबाद जं. (राजधानी स्पेशल)	सोमवार बुधवार, और शनिवार	प्रतिदिन	29.06.2021 से अगले आदेश तक

नोट : रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक दूरी व सैनिटाइजेशन आदि सहित कोविड-19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी साधनानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग पढ़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलेमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट <http://www.enquiry.indianrail.gov.in> अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें :-	www.railmadad.indianrailways.gov.in	रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
 पर हमें फॉलो करें 1367/2021	 रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139	 उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में होते www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
आहकों की सेवा में मुस्कान के साथ		

THE DETAILED PUBLIC STATEMENT PUBLISHED ON JUNE 18, 2021
FOR THE ATTENTION OF PUBLIC SHAREHOLDERS OF
INTELLIVATE CAPITAL ADVISORS LIMITED

Registered Office: 11th Floor, Senapati Bapat Marg, Prabhadevi, Mumbai – 400 013, Maharashtra, India
Tel. No.: (022) 2403 1691 **Website:** www.intellivatescapitaladvisors.in;
Email Id: secretarial@intellivatescapital.com **CIN:** L67190MH2011PLC214318

This Advertisement is being issued by CapitalSquare Advisors Private Limited ("Manager to the Offer"), for and on behalf of Satyanarayana Reddy Garlapati (Acquirer 1), Sukumar Reddy Garlapati (Acquirer 2) and Sumathi Infracore Private Limited (Acquirer 3) (hereinafter collectively referred to as the "Acquirers") in compliance with the Securities Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, as amended ("SEBI (SAST) Regulations"), in respect of the Open Offer to acquire up to 96,26,991 (Ninety-Six Lakhs Twenty-Six Thousand Nine Hundred and Ninety-One) fully paid-up equity shares of Re.1.00/- each ("Open Offer Equity Shares") representing 31.00% of the total paid-up equity and voting share capital of Intellivate Capital Advisors Limited, at a price of Re. 1.70/- (Rupee One and Seventy Paise Only) per Equity Share ("Offer Price") payable in cash ("Offer" or "Open Offer").

Capitalised terms used in this Corrigendum but not defined herein shall have the same meaning as assigned to them in DPS. This Corrigendum is being issued in all newspapers in which the original DPS was published.

The public shareholders of the Target Company are requested to kindly note the following information related to the Open Offer in the DPS should be read as under:

1. In Para I. D. 2: Details of the Offer: The offer price for the open offer should be read as Rs. 1.70/- (Rupees One and Seventy Paise Only) per Equity Share (the "Offer Price")

2. In Para I. A. 3(f): The key financial information of the Acquirer 3 based on its audited standalone financial statements as of and for the financial years ended March 31, 2019, March 31, 2020, and March 31, 2021, is set out below:

	(Rs. in Lakhs)				
02.06.2021 (Un Audited and Certified)	Year ended 31.03.2021 (UnAudited and Certified)	Year ended 31.03.2020 (Audited)	Year ended 31.03.2019 (Audited)	Year ended 31.03.2018 (Audited)	
Total Revenue	4.05	21.48	16.75	52.43	51.07
Net Income i.e., Profit/ (Loss) After Tax	1.14	4.43	1.19	5.56	(11.51)
EPS (in Rs.)	11.44	44.36	11.86	55.63	(115.18)
Net worth /Shareholder Funds	359.53	0.38	(4.05)	(5.24)	(10.79)

3. In Para I. C. (e): Brief audited Financial Information of the Target Company for the Financial Years ended on March 31, 2020, March 31, 2019 and March 31, 2018 and Unaudited for the financial year ended March 31, 2021 are as follows:

	(Rs. in Lakhs)			
	Year ended 31.03.2021 (Unaudited)	Year ended 31.03.2020 (Audited)	Year ended 31.03.2019 (Audited)	Year ended 31.03.2018 (Audited)
Total Revenue	39.59	41.28	41.45	33.68
Net Income i.e., Profit/ (Loss) After Tax	15.18	19.40	26.45	17.91
EPS (in Rs.)	0.04	0.06	0.08	0.05
Net worth /Shareholder Funds	413.84	398.64	379.23	352.79

The Acquirers accept full and final responsibility for the information contained in this Corrigendum. The Corrigendum would also be available on website of the SEBI at www.sebi.gov.in.

Issued by the Manager to the Offer
 On behalf of the Acquirers

MANAGER TO THE OFFER:

CAPITALSQUARE ADVISORS PRIVATE LIMITED

208, 2nd Floor, AARPEE Center, MIDC Road No 11, CTS 70, Andheri (E), Mumbai – 400 093, Maharashtra, India

Tel: 022 6684 9999/ +91 98742 83532

Fax: 022 6684 9998

Website: www.capitalsquare.in

Email Id: tannoy.banerjee@capitalsquare.in / mb@capitalsquare.in

Contact Person: Mr. Tannoy Banerjee

SEBI Registration No: INM000012219

Sd/-

Sumathi Infracore Private Limited

Plot No.8, Durga Nagar Colony, Punjagutta, Hyderabad – 500 082, Telangana, India

Date: Monday, June 21, 2021

Place: Mumbai

बैंक ऑफ बड़ोदा Bank of Baroda	जेन-नेकस्ट शाखा: टावर-2, स्टेलर आई.टी. पार्क, सी-25, सेक्टर-62, नोएडा (उ.प्र.) - 201301 फोन: 0120-4324460, 61, 62
--	--

ऋणधारकों के लिये सूचना दिनांक : ०7.04.2021 (सर्कैसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के अंतर्गत)

सेवा में, श्री वरुन कुमार झा, ऊषा अपार्टमेंट्स, रोड नं. 7, कुसुम विहार, मोरारदावी, रांची, झारखंड-834008 सी/910, शिप्रा निरो, झुगौला देवी मां, हरेन्द्रपुर, गाजियाबाद, उ.प्र.-201002 खिला नं. ए-279, आग्रपाली लीनर वैली, प्लॉट नं. जीएच-02, रेकनज-IV, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.-201301 ग्रिय मोहोव, विषय: हमारी नेकस्ट जेन नोएडा शाखा में खाता सं. 33720600001153 के द्वारा रु. 68.80 लाख की आवास ऋण की साख सुविधा

1. हम आपका ध्यान अपने पत्र सं. BOB/ADV/GENOID/HL 14-15/1813 तिथि 23.3.2015 के प्रति आकृष्ट करते हैं जिसमें विभिन्न साख सुविधाओं की स्वीकृति तथा स्वीकृति की तारी दी गई हैं। उपरोक्त स्वीकृति के अनुपालन में आपने यहां के बाद वर्णित रूप में उत्सर्ग लिये प्रतिभूति उपलब्ध करने के बाद साख सुविधाएं प्राप्त की तथा उसका प्रयोग करना आरंभ किया। ऋण खाता में वर्तमान बकाया तथा ऐसी देयता के लिये निमित्त प्रतिभूति हित इस प्रकार है:

सुविधा की प्रकृति तथा प्रकार	लिमिट (रु.)	व्याज दर %	4.6.2021 को बकाया	प्रतिभूतियों के संक्षिप्त विवरणों के साथ प्रतिभूति अनुबंध
आवास ऋण (प्रतिभूत ऋण)	रु. 68800000/-	8.85% प्रतिवर्ष (फ्लोटिंग)	रु. 57,47,477	सम्पत्ति विला नं. ए-279, आग्रपाली लीनर वैली, प्लॉट नं. जीएच-02, रेकनज-IV, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.-201301 पर प्रभार
कुल			रु. 5747477	

सम्पत्ति की गिरवी के लिये यह माना जायेगा कि विला नं. ए-279, आग्रपाली लीनर वैली, प्लॉट नं. जी एच-02 रेकनज IV, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.-201301 में स्थित सम्पत्ति की गिरवी।

- जैसा कि आप जानते हैं, 31.12.2019 में समाप्त तिमाही के लिये आपने उपरोक्त ऋणों/बकायों पर व्याज के भुगतान में चुक की है। आप ने 02.11.2019 तथा उसके बाद भुगतान के लिये नियत मांग ऋणों के किस्तों के भुगतान में भी चुक की है।
- आपके द्वारा की गई चुक के उपरांत भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों तथा दिशानिर्देशों के अनुसार 31.10.2019 (एनपीए के रूप में वर्गीकरण की तिथि) को आपकी ऋण खाता को गैर-प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बार-बार की गई अनुरोध तथा मांगों के बावजूद आपने उस पर व्याज सहित अधिशेष ऋणों का भुगतान नहीं किया है।
- उपर पत्र 1 में वर्णित विभिन्न प्रतिभूतियों द्वारा विधिवत प्रभित्तु साख सुविधाओं के संदर्भ में आपकी देयता को पूरा करने में आपकी विफलता तथा आपकी खाता को एक गैर-प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकरण करने के देखते हुए हम एतद्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्विभाग तथा प्रतिभूति हित प्रचलन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के अंतर्गत आपको सूचना देते हैं तथा आपको निदेश देते हैं कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर ऊपर पत्र 1 में वर्णित कुल रु. 5747477/- की बैंक की बकाया राशि का सम्पूर्ण भुगतान करें तथा अपनी देयताओं को निष्पादित करें। हम पुनः आपको सूचित करते हैं कि यदि भुगतान की तिथि तक व्याज के साथ उपरोक्त राशि के भुगतान में आप विफल होते हैं तो हम उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत किसी या सभी अधिकारों का प्रयोग करने के लिये स्वतंत्र होंगे। कृपया, इसका ध्यान रखें।
- कृपया ध्यान रहे कि सम्पूर्ण भुगतान तक प्रत्येक साख सुविधा के लिये ऊपर पत्र 1 में निर्दिष्ट दरों पर व्याज उपचर्चित होती रहेगी।
- हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की उप-धारा 13 के प्रति आकृष्ट करना चाहते हैं जिसके अंतर्गत पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना बिक्री, पट्टा अथवा अन्य रूप से (व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के अतिरिक्त) ऊपर पत्र 1 में वर्णित प्रभित्तु परिसम्पत्तियों का किसी भी रूप में अंतरण करने से आप वर्जित हैं। हम पुनः सूचित करते हैं कि उक्त अनुबंध की धारा 13 (13) में शामिल उपरोक्त प्रावधान की अवज्ञा अधिनियम की धारा 29 के अंतर्गत एक दंडनीय अपराध है।
- हम पुनः आपका ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रति आकृष्ट करते हैं जिसके अनुसार यदि आप सार्वजनिक नीलामी/ कोर्टद्वारा/ निविदा आमंत्रित करने/ निजी संधि के लिए सूचना के प्रकाशन की तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, चार्जज तथा बैज द्वारा वहन की गई खर्चों के साथ बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं तो आप प्रभित्तु परिसम्पत्तियों को विमोचित कर सकते हैं। कृपया ध्यान रहे कि उक्त सूचना के प्रकाशन के बाद आपको प्रभित्तु परिसम्पत्ति को विमोचित करने का अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।
- कृपया ध्यान रहे कि यह मांग सूचना पूर्वावृद्ध-रहित है तथा इसे लिमिटेडशन रहित, हमारी बकाया राशि के संदर्भ में आगे मांग करने के अधिकार सहित हमें उपलब्ध किसी भी अन्य अधिकारों अथवा उपकरणों को छूट देने के रूप में नहीं माना जाएगा।

आपका विश्वासभाजन (यवक कुमार) प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (आरब बंकाय का उद्घाटन) प.क. जय विलासि एवं निधि विभाग, बैंक हाउस, जवां नगर, 21, रांसेट प्लेस, नई दिल्ली- 110008
--

सार्वजनिक सूचना
जन सामान्य को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक, 30.06.2021 से आगे विद्यमान मासिक चिाचक्रन के स्थान पर एनपीए का दैनिक चिाचक्रन करने जा रहा है। आपसे अनुरोध है कि अधिक जानकारी के लिए अपनी मूल शाखा से संपर्क करें तथा गिरावट रोकने के लिए अपने अतिदेय किस्त का भुगतान करें।

आश्रित कैपिटल लिमिटेड

पंजी. कार्यालय: सलेक्ट सिटीवार्ड, छत्रा तल, ए-3, हिरिट्रुड सेंटर, सैकन, नई दिल्ली-110017

CIN:L65923DL1972PLC317436

Email Id: jalancementworklimited@gmail.com

वेबसाइट: www.aashritcapital.com

सेबी (सूचीबन्ध दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियम, 2015 के विनियम 47 के अनुपालन में सूचित किया जाता है कि निदेशक मंडल की बैठक मंगलवार, 29 जून, 2021 को 11.00 बजे पूर्वा, में सलेक्ट सिटीवार्ड, छत्रा तल, ए-3, हिरिट्रुड सेंटर, सैकन, नई दिल्ली-110017 में आयोजित की जाएगी जिसमें निम्न व्यवहार्यों की निष्पादित किये जाएंगे:

1. 31.3.2021 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के अंकेषित वित्तीय परिणामों पर विचार एवं चर्चा करने तथा, यदि उपयुक्त हो, इसे अनुमोदित करने।

2. 1.4.2021 से 31.3.2026 तक पांच वर्षों की अवधि के लिये आगामी साधारण सभा में शेरधारकों की स्वीकृति के अधीन कम्पनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में श्रीमती होना खुराना की पुनर्विधुक्ति की सिफारिश करने

3. सर्ववृत्तन के माध्यम से निदेशक मंडल द्वारा पारित प्रस्तावों पर ध्यान देने

4. अवयव की अनुमति से किसी अन्य विषय


आश्रित कैपिटल लिमिटेड के हस्ता./

निधि: 19.6.2021

स्थान: नई दिल्ली

सलिल केटी

कम्पनी सचिव



टालब्रोस इंजीनियरिंग लिमिटेड

सीआईएन : L74210MR1986PLC033018

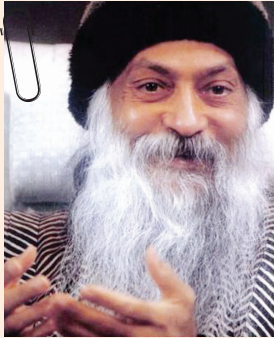
पंजीकृत कार्यालय : 74-75-76, सेक्टर-6, फरीदाबाद, हरियाणा-121006

दूरभाष नं. : 0129-4284300, फैक्स : 0129-4061541, वेबसाइट : www.talbrosexles.com, ई-मेल : cs@talbrosexles.com

31 मार्च, 2021 का समाप्त तिमाही तथा वहन स्टुटएलन लक्ष्यपराक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही	समाप्त अद्यतन वर्ष, अवधि	गत वर्ष में समाप्त संगत 3 माह
		31.03.2021	31.03.2021	31.03.2020
1.	प्रचालनों से कुल आय	8,527.43	23,936.93	4,656.31
2.	अवधि हेतु निवल लाभ/(हानि) (कर, अपवादित तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	618.24	1,448.27	58.99
3.	अवधि हेतु निवल लाभ/(हानि) (कर, अपवादित तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	618.24	1,448.27	58.99
4.	कर पूर्व अवधि हेतु निवल लाभ/(हानि) (अपवादित तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	474.24	1,065.34	22.28
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य व्यापक आय (कर पश्चात)]	482.25	1,076.29	4.54
6.	इक्विटी शेयर पूंजी	507.65	507.65	507.65
7.	आरक्षितियाँ (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)			6610.61
				(31 मार्च, 2021 को)
8.	आय प्रति शेयर (रु. 10/- प्रत्येक के) (सतत तथा असतत प्रचालनों हेतु) -			
	1. बेसिक :	9.50	21.20	0.09
	2. डाइल्यूटेड :	9.50	21.20	0.09



दरिद्रता का तुम बड़ा सम्मान करते हो. अगर कोई आदमी नंगा खड़ा हो जाए— महात्मा! तो तुम अगर नंगे हो गए, तो सब महात्मा हो गए, ऐसी परेशानी की बात क्या है? कोई धन—दौलत छोड़ देता है— महावीर ने धन—दौलत छोड़ी, बुद्ध ने राज छोड़ा, तब बेचारे जाकर महात्मा हो पाए. छोड़ने की झंझट करनी पड़ी. तुम्हारे पास है ही नहीं, तुम उस झंझट से भी बचे. तुम तो बुद्ध—महावीर हो ही! जरा तुम सोचो तो तुम पर परमात्मा की कृपा कैसी है! उनको तो बेचारों को झंझट करनी पड़ी— छोड़ो पहले. पिछले पापों के फल से उनको धन मिला होगा, सो पुण्य करने के लिए उसको छोड़ा. तुमने कोई पाप कभी किए नहीं, सो धन तुम्हें मिला नहीं, छोड़ने का कोई सवाल नहीं. तुम मुक्त ही पैदा हुए हो! यह खयाल छोड़ो कि तुम्हारा कोई और उद्धार करेगा. इसी उद्धारक की तलाश में तो तुम पांच हजार साल से दीन—दरिद्र हो. यह दरिद्रता तुम्हारी कोई आज की है? तुम सदा से पीड़ित और दुखी हो.

मेडिसिन और मेडिटेशन मिलकर स्वास्थ्य दे सकते हैं

मनुष्य हजारों वर्षों से इस तरह सोचता रहा है कि आदमी का शरीर अलग है और आदमी की आत्मा अलग है. इस चिंतन के दो खतरनाक परिणाम हुए. एक परिणाम तो यह हुआ कि कुछ लोगों ने आत्मा को ही मनुष्य मान लिया, शरीर की उपेक्षा कर दी. जिन कौमों ने ऐसा किया उन्होंने ध्यान का तो विकास किया, लेकिन औषधि का विकास नहीं किया. वे औषधि का विज्ञान न बना सके. शरीर की उपेक्षा कर दी गई. ठीक इसके विपरीत कुछ कौमों ने आदमी को शरीर ही मान लिया और उसकी आत्मा को इनकार कर दिया. उन्होंने मेडिसिन और औषधि का तो बहुत विकास किया, लेकिन ध्यान के संबंध में उनकी कोई गति न हो पाई. जब कि आदमी दोनों हैं एक साथ. कह रहा हूं कि भाषा में थोड़ी भूल हो रही है, जब हम कहते हैं— दोनों हैं एक साथ, तो ऐसा भ्रम पैदा होता है कि दो चीजें हैं जुड़ी हुई.

नहीं, असल में आदमी का शरीर और आदमी की आत्मा एक ही चीज के दो छोर हैं. अगर ठीक से कहें तो हम यह नहीं कह सकते कि बाँड़ी—सोल, ऐसा आदमी है. ऐसा नहीं है. आदमी साइकोसोमेटिक है, या सोमेटोसाइकिक है. आदमी मनस—शरीर है, या शरीर—मनस है.



मेरी दृष्टि में, आत्मा का जो हिस्सा हमारी इंद्रियों की पकड़ में आ जाता है उसका नाम शरीर है और आत्मा का जो हिस्सा हमारी इंद्रियों की पकड़ के बाहर रह जाता है उसका नाम आत्मा है. अदृश्य शरीर का नाम आत्मा है, दृश्य आत्मा का नाम शरीर है. ये दो चीजें नहीं हैं, ये दो अस्तित्व नहीं हैं, ये एक ही अस्तित्व की दो विभिन्न तरंग—अवस्थाएँ हैं.

असल में दो, द्वैत, डुआलिटी की धारणा ने मनुष्य—जाति को बड़ी हानि पहुँचाई. सदा हम दो की भाषा में सोचते रहे और मुसीबत हुई. पहले हम सोचते थे: मैटर

और एनर्जी. अब हम ऐसा नहीं सोचते. अब हम यह नहीं कहते कि पदार्थ अलग और शक्ति अलग. अब हम कहते हैं, मैटर इज़ एनर्जी. अब हम कहते हैं, पदार्थ ही शक्ति है. सच तो यह है कि यह पुरानी भाषा हमें दिक्कत दे रही है. पदार्थ ही शक्ति है, ऐसा कहना भी ठीक नहीं है. कुछ है, एक्स, जो एक छोर पर पदार्थ दिखाई पड़ता है और दूसरे छोर पर एनर्जी, शक्ति दिखाई पड़ता है. ये दो नहीं हैं. ये एक ही ऊर्जा, एक ही अस्तित्व के दो छोर हैं.

ठीक वैसे ही आदमी का शरीर और उसकी आत्मा एक ही अस्तित्व के दो छोर हैं. बीमारी दोनों छोरों में किसी भी छोर से शुरू हो सकती है. शरीर के छोर से शुरू हो सकती है और आत्मा के छोर तक पहुँच सकती है. असल में जो शरीर पर घटित होता है, उसके वाइब्रेशंस, उसकी तरंगें आत्मा तक सुनी जाती हैं.

इसलिए कई बार यह होता है कि शरीर से बीमारी ठीक हो जाती है और आदमी फिर भी बीमार बना रह जाता है. शरीर से बीमारी विदा हो जाती है और डॉक्टर कहता है कि कोई बीमारी नहीं है और आदमी फिर भी बीमार रह जाता है और बीमार मानने को राजी नहीं होता कि मैं बीमार नहीं हूँ.

कलाकार रहस्य के कुछ ज्यादा करीब होते हैं

झेन गुरुओं के संबंध में बड़ी सुंदर कथाएँ हैं, क्योंकि जेन—गुरु अक्सर या तो चित्रकार या बड़े कलाकार हुआ करते थे. यह जेन की सुंदरतम बात है. अन्य कोई धर्म सृजनात्मक नहीं है, और अगर धर्म सृजनात्मक नहीं है, तो वह समग्र नहीं हो सकता है—किसी न किसी बात का अभाव उसमें रहता है. एक जेन गुरु अपने शिष्यों से कहा करते थे, ‘अगर तुम किसी बांस की पेंटिंग बनाना चाहते हो, तो बांस ही बन जाओ.’

इसके अतिरिक्त बांस की पेंटिंग बनाने का और कोई उपाय नहीं है. अगर तुमने बांस को भीतर से अनुभव नहीं किया तो कैसे तुम एक बांस को चित्रित कर सकते हो? अगर तुमने यह अनुभव नहीं किया कि किस तरह से एक बांस आकाश के सामने खड़ा होता है, हवा का सामना करता है, वर्षा की बौछारों में कैसे झुमता—नाचता है, सूर्य की ऊष्मा में किस गर्व के साथ वह



खड़ा होता है, अगर तुमने उसे अनुभव नहीं किया, तो तुम एक बांस की पेंटिंग कैसे बना सकोगे? अगर तुमने बांस से गुजरती हवाओं को उस तरह से नहीं सुना, जिस तरह कोई बांस सुनता है, अगर तुमने बांस पर पड़ती वर्षा की फुहारों को वैसे नहीं जाना, जैसे बांस जानता है, तो कैसे तुम बांस को पेंटिंग में उतार सकोगे? तब तुम बांस की पेंटिंग एक फोटोग्राफर की

तरह बनाओगे तब तुम एक कैमरा हो सकते हो लेकिन एक कलाकार नहीं. कैमरा विज्ञान की देन है. कैमरा वैज्ञानिक उपकरण है. वह तो केवल बांस के बाह्य रूप को ही दिखाता है, लेकिन जब कोई गुरु बांस को देखता है, तो वह उसका बाह्य रूप ही नहीं देख रहा होता है.

वह धीरे—धीरे स्वयं को गिराता जाता है. उसकी चेतना का संपूर्ण प्रवाह बांस में समा जाता है, बांस पर उतर आता है: तब वे अलग—अलग नहीं रहते, वे एक—दूसरे में समाहित हो जाते हैं, दोनों एक हो जाते हैं. फिर यह कहना बहुत कठिन होता है कि कौन बांस है और कौन चेतना है—सब कुछ एक—दूसरे में समा जाता है, घुल—मिल जाता है, दोनों की सीमाएँ समाप्त हो जाती हैं. इसीलिए कई बार कलाकारों को रहस्यदर्शियों जैसी झलकें मिलती हैं. इसलिए कई बार वह काव्य कह देता है.

स्मृति का इस्तेमाल कैसे करें?

प्रश्न : आपने कहा कि क्षण—क्षण जीने के लिए व्यक्ति को अपने मृत अतीत तथा स्मृतियों को फेंक देना चाहिए. लेकिन इस संसार में व्यवहार करने के लिए तेज और कार्यकुशल स्मृतियों का संचय होना भी तो जरूरी है.

अतीत के प्रति मर जाने का यह अर्थ नहीं होता कि तुम उसकी याद नहीं रख सकोगे. इसका यह अर्थ नहीं होता कि तुम्हारी सारी स्मृतियाँ विलीन हो जायेंगी अथवा नष्ट हो जायेंगी. इसका सिर्फ इतना ही अर्थ होता है कि तुम इस स्मृतियों में नहीं जीते. तुम्हारा इन स्मृतियों से कोई तादात्म्य नहीं है. तुम उनसे मुक्त हो गये. वे रहेंगी, लेकिन अब वे सिर्फ तुम्हारे मस्तिष्क का एक हिस्सा होंगी, न कि तुम्हारी चेतना का हिस्सा. मस्तिष्क एक यांत्रिक बात है, जैसे कि टेप—रिकार्डिंग

मशीन होती है. मस्तिष्क प्रत्येक बात को रिकार्ड करता चला जाता है. मस्तिष्क भौतिक अंग है.

यह रिकार्ड करता चला जाएगा और तुम्हारी स्मृति नष्ट नहीं हो सकती जब तक कि मस्तिष्क को नष्ट नहीं कर दिया जाये. लेकिन वह कोई समस्या नहीं है.

समस्या यह है कि तुम्हारी चेतना स्मृतियों से भरी है. तुम्हारी भीतर स्मृतियों की बाढ़ आती रहती है. जब तुमसे कहा जाता है कि आतीत के प्रति मर जाओ, तो उसका अर्थ होता है कि मन से अपना तादात्म्य मत करो. तुम मन का उपयोग कर सकते हो; तब तुम्हारा मन सिर्फ एक यंत्र है; जब भी तुम्हें इसकी जरूरत होगी, तुम इसका उपयोग कर लो. और तुम्हें इसकी जरूरत पड़ेगी. तुम्हें लौटकर घर जाना पड़ेगा, तुम्हें याद रखना पड़ेगा कि तुम कहा रहते हो.

मंदिर का गर्भगृह गोल व बंद आखिर क्यों?

यदि तुम किसी हिंदू मंदिर में गए हो तो वहाँ तुमने गर्भ—गृह का नाम सुना होगा. मंदिर के अंतस्थ भाग को गर्भ कहते हैं. उसे गर्भ क्यों कहते हैं? हर एक मंदिर की अपनी ध्वनि है, अपना मंत्र है, अपना इष्ट—देवता है और उस इष्ट—देवता से संबंधित मंत्र है— अगर उस ध्वनि का उच्चार करोगे तो पाओगे कि उससे वहाँ वही उष्णता पैदा होती है जो माँ के गर्भ में पाई जाती है.

यही कारण है कि मंदिर के गर्भ को माँ के गर्भ जैसा गोल और बंद, करीब—करीब बंद बनाया जाता है. उसमें एक ही छोटा सा द्वार रहता है.

जब ईसाई पहली बार भारत आए और उन्होंने हिंदू मंदिरों को देखा तो उन्हें लगा कि ये मंदिर तो बहुत अस्वास्थ्यकर हैं; उनमें खिड़कियाँ नहीं हैं, सिर्फ एक छोटा सा दरवाजा है.

लेकिन माँ के गर्भ में भी तो एक ही द्वार होता है और उसमें भी हवा के आने—जाने की व्यवस्था नहीं रहती.

सिखों का इतिहास

- खुशवंत सिंह

महाराजा रंजीत सिंह देहांत के बाद पंजाब

पंजाब के महाराजा रंजीत सिंह 27 जून, 1939 की दोपहर इस दुनिया से विदा हो लिए. चालीस सालों की अपनी हुकूमत के दौरान, उन्होंने लड़ते—भिड़ते सिख जत्थों को एकसूत्र में बाँधा था और भिन्न—भिन्न वफादारियों वाले लोगों को एक राष्ट्रीयता की भावना में पिरोया था. रंजीत सिंह के जरिए, हिंदू और मुसलमानों को आपस में करीब लाने का गुरु नानक देव का उद्देश्य पूरा हुआ था और लड़ाकू भाई—चारे का गुरु गोबिंद सिंह का प्रयास भी सिर चढ़ा था. हिंदुस्तान की हुकूमत करने की चाह में आनेवाले विदेशी आक्रमणकारियों के लिए पंजाब अब उनका अखाड़ा नहीं रहा था. अब पंजाब न केवल हिंदुस्तान का सबसे शक्तिशाली राज्य बन चुका था, वरन् एशिया—भर में अपनी ताक का लोहा मनवा चुका था. पठानों और अफगानियों द्वारा सदियों से शासित होते रहने के बाद, पंजाबियों ने पासा पलट दिया. अब उनका साम्राज्य पठानों के मुल्क के पार तक जा पहुँचा था और वे काबुल की राजगद्दी के निर्णायक बन बैठे थे. तिब्बत में उन्होंने चीन पिछलग्गुओं पर काबू पाया था और पश्चिम में अंग्रेजों के विस्तार पर रोक लगाई थी. आक्रमणकारियों की अब हिम्मत नहीं थी कि वे पंजाब की धरती पर कदम रखने की जुर्रत करते, गैहूँ की खड़ी फसलों को रौंदते या कटाई के वक्त किसानों को लूटने आ धमकते. राजमार्गों को राहगीरों के लिए सुरक्षित बना दिया गया था; मध्य एशिया और हिंदुस्तान के बीच व्यापारी—काफिलों

(भाग— 236)

की आवाजाही शुरू हो गई थी और पंजाब उनका बाजार बन गया था. पंजाब की जनता ने यह सब हासिल किया था मात्र उस एक शख्स के नेतृत्व के जरिए, जो उन्हीं के बीच से निकलकर उनका नेता बना था, उन्हीं किसानों के बीच से निकलकर.

महाराजा रंजीत सिंह उस एक विशाल वटवृक्ष की तरह थे, जिसने पूरे पंजाब पर अपनी छात्रछाया फैला रखी थी और वटवृक्ष की ही लबतरह उन्होंने पंजाब की धरती को इस कदर ढक रखा था कि खर—पतवार के सिवा और कुछ वहाँ पनप ही नहीं सकता था. नतीजा यही हुआ कि जब उनकी मृत्यु हुई, उनका ऐसा कोई उत्तराधिकारी नहीं दिखा था, जिसमें उनके जितना माददा होता और जो राज्य के भाग्य को सही दिशा—निर्देश दे पाता. यह बात उन लोगों पर खासतौर से लागू होती थी, जो रंजीत सिंह के करीबी थे, मसलन उनके परिवार के लोग और ‘दरबार’ के उनके वे चहेते, जिनको वे गाँवों के अंधकारमय जीवन से उठाकर सत्ता के गलियारों तक ले आए थे. इनमें वे साधारण लोग भी थे, जो—उनके जरिए अक्रल्हपनीय दौलत के मालिक बने थे.

(क्रमशः)

Quick Heal

Security Simplified

Quick Heal Technologies Limited

CIN: L72200MH1995PLC091408

Registered Office: Marvel Edge, Office No. 7010 C & D, 7th Floor, Viman Nagar, Pune - 411 014, India

Phone: +91 (20) 6681 3232; E-mail: cs@quickheal.co.in; Website: www.quickheal.co.in

Contact Person: Mr. Vinav Agarwal, Compliance Officer

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS/ BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF QUICK HEAL TECHNOLOGIES LIMITED

This post Buyback public announcement ("Post Buyback Public Announcement") is being made in compliance with Regulation 24(vi) and other applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, as amended ("Buyback Regulations") regarding completion of the Buyback.

This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement dated April 20, 2021 published on April 22, 2021 ("Public Announcement") and the Letter of Offer dated May 17, 2021 ("Letter of Offer"). All capitalized terms, unless defined herein, shall have the meaning ascribed to them in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1 Quick Heal Technologies Limited ("Company") had announced the Buyback of upto 6,326,530 (six million three hundred and twenty six thousand five hundred and thirty) fully paid-up equity shares of ₹ 10/- (Rupee ten only) each ("Equity Shares"), representing 9.85% of the total issued and paid-up equity share capital of the Company as of March 31, 2020, from the Shareholders / beneficial owners of Equity Shares of the Company as on the record date i.e. May 03, 2021 ("Record Date"), on a proportionate basis, through the "Tender Offer" route at a price of ₹245/- (Rupees two hundred and forty five only) per Equity Share for an amount aggregating up to ₹ 1,550 Million (Rupees one thousand five hundred and fifty million only) ("Maximum Buyback Size", and such buyback of shares, the "Buyback"). The Maximum Buyback Size does not include any expenses incurred or to be incurred for the Buyback like filing fee payable to SEBI, advisory fees, public announcement publication expenses, printing and dispatch expenses, transaction costs viz. brokerage, applicable taxes such as buyback tax, securities transaction tax, goods and service tax, stamp duty, etc. and other incidental and related expenses ("Transaction Costs").

1.2 The Maximum Buyback Size represents 24.09% and 24.24% of the aggregate of the fully paid-up equity share capital and free reserves as per the standalone and consolidated audited financial statements, respectively, of the Company as on March 31, 2020 (being the latest audited financial statements available as on the date of meeting of the board of directors of the Company held on March 10, 2021 to approve the proposal of Buyback). The number of Equity Shares bought back constituted 9.85% of the pre-Buyback equity share capital of the Company as on the Record date (i.e., May 3, 2021).

1.3 The Company adopted the tender offer route for the purpose of the Buyback. The Buyback was implemented using the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange" notified by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") vide circular CIR/CFD/POLICY/CELL/1/2015 dated April 13, 2015 read with SEBI circular CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016, including any amendments thereof, issued by SEBI. For the purposes of the Buyback, BSE Limited was the designated stock exchange.

1.4 The tendering period for the Buyback Offer opened on Monday, May 31, 2021 and closed on Friday, June 11, 2021.

2. DETAILS OF BUYBACK

2.1 6,326,530 (six million three hundred and twenty six thousand five hundred and thirty) Equity Shares were bought back under the Buyback, at a price of ₹245/- (Rupees two hundred and forty five only) per Equity Share.

2.2 The total amount utilized in the Buyback is ₹1,549,999,850 (Rupees one billion five hundred and forty nine million nine hundred and ninety nine thousand eight hundred and fifty only) excluding Transaction Costs.

2.3 The Registrar to the Buyback i.e. Link Intime India Private Limited ("Registrar"), considered a total of 5,710 valid bids for 8,809,471 (Eight million eight hundred and nine thousand four hundred and seventy one) Equity Shares in response to the Buyback, resulting in the tender of approximately 1.39 times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of the valid bids considered by the Registrar are as follows:

Category	No. of Equity Shares reserved in the Buyback	No. of Valid Bids	Total Equity Shares Validly Tended	% Response
Reserved Category for Small Shareholders	948,980	5,549	434,680	45.80%
General Category for all other Equity Shareholders	5,377,550	161	8,374,791	155.74%
Total	6,326,530	5,710	8,809,471	139.25%

2.4 All valid bids were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance/rejection has been dispatched by the Registrar, via email, to the relevant Eligible Shareholders (who have their e-mail IDs registered with the Company) on June, 21, 2021. In cases where email IDs were not registered with the Company or depositories, physical letters of acceptance / rejection are being dispatched to the Eligible Shareholders by the Registrar and the same shall be completed on or after June, 21, 2021.

2.5 The settlement of all valid bids was completed by Clearing Corporation on June, 21, 2021. The Clearing Corporation has made direct funds payout to Eligible Shareholders whose shares have been accepted under the Buyback. If bank account details of any Eligible Shareholders were not available or if the funds transfer instructions were rejected by the Reserve Bank of India or relevant bank, due to any reason, then the amounts payable to the Eligible Shareholders will be transferred to the concerned Seller Member for onward transfer to such Eligible Shareholders.

2.6 Demat Equity Shares accepted under the Buyback were transferred to the Company's demat account on June, 21, 2021. The unaccepted demat Equity Shares have been returned to respective Eligible Shareholder / Seller Member / custodians by the Clearing Corporation on June, 21, 2021. No Equity Shares held in physical form were tendered or accepted under the Buyback.

2.7 The extinguishment of 6,326,530 (Six million three hundred and twenty six thousand five hundred and thirty) Equity Shares is currently under process and shall be completed on or before June, 28, 2021.

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

3.1 The capital structure of the Company, pre and post Buyback, is as under:

Sr. No.	Particulars	Pre Buyback*		Post Buyback**	
		No. of Equity Shares	Amount (in ₹ Million)	No. of Equity Shares	Amount (in ₹ Million)
1.	Authorised Share Capital	75,000,000 Equity Shares of ₹ 10/- each	750.00	75,000,000 Equity Shares of ₹ 10/- each	750.00
2.	Issued, Subscribed and Fully Paid-Up Share Capital	64,207,868 fully paid-up Equity Shares of ₹ 10/- each	642.07	57,881,338 fully paid-up Equity Shares of ₹ 10/- each	578.81

*As on the Record Date i.e May 03, 2021
** Subject to extinguishment of 6,326,530 Equity Shares

3.2 Details of Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% of the total Equity Shares have been accepted under the Buyback are as under:

Sr. No.	Name	Number of Equity Shares accepted under Buyback	Equity Shares accepted as a % of total Equity Shares bought Back	Equity Shares accepted as a % of total Post Buyback Equity Shares ¹
1.	Sanjay Sahebrao Katkar	1,808,415	28.58	3.12
2.	Kailash Sahebrao Katkar	1,808,415	28.58	3.12
3.	Sequoia Capital India Investment Holdings III	1,159,765	18.33	2.00
4.	Anupama Kailash Katkar	441,169	6.97	0.76
5.	Chhaya Sanjay Katkar	441,169	6.97	0.76
6.	Ariston Capital Services Pvt Ltd	63,038	1.00	0.11

Subject to extinguishment of 6,326,530 Equity Shares

3.3 The shareholding pattern of the Company before the Buyback, i.e., as on the Record Date i.e. May 03, 2021 and post Buyback, is as under:

Particulars	Pre Buyback		Post Buyback	
	Number of Shares	% to existing share capital	No. of Shares post Buyback*	% holding post Buyback*
Promoters and Promoter Group	46,762,345	72.83	42,263,177	73.02
Foreign Investors (including non-resident Indians/ FIs/ foreign mutual funds/foreign nationals)	3,653,717	5.69		
Financial institutions / banks and mutual funds promoted by banks / institutions	3,025	0.00	15,618,161	26.98
Others (public, bodies corporate, etc.)	13,788,781	21.48		
Total	64,207,868	100.00	57,881,338	100.00

* Subject to extinguishment of 6,363,636 Equity Shares.

4. MANAGER TO THE BUYBACK

AMBIT

Acumen at work

Address: Ambit House, 449, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai - 400 013

Tel: + 91 (22) 6623 3000; Fax: +91 (22) 6623 3100

Contact Person: Mr. Praveen Sangal / Mr. Miraj Sampat

Email: quickheal.buyback@ambit.co; Website: www.ambit.co

SEBI Registration Number: INM000010585

Validity Period: Permanent

CIN: U65923MH1997PTC109992

Ambit Private Limited

For and on behalf of the Board of Directors of

Quick Heal Technologies Limited

Sd/-
Kailash Katkar
Managing Director & CEO
DIN: 00397191

Sd/-
Sanjay Katkar
Joint Managing Director & CTO
DIN: 00397277

Sd/-
Vinav Agarwal
Compliance Officer
Membership No. A40751

Date: June 21, 2021
Place: Pune

